प्रेस विज्ञप्ति

पुरुष अधिकार कार्यकर्ता समाज का जहर पी रहे हैं ! वे नीलकण्ठ के समान हैं.

- पुरुष अधिकार कार्यकर्ता समाज के नीलकण्ठ हैं जो समाज का जहर पी रहे हैं जिससे समाज में पिता, भाइयों आदि का भविष्य बेहतर हो सके.
- 'पिशाचिनि मुक्ति पूजा' आयोजित करके पुरुषों को, समाज को, सरकारों एवं न्याय व्यवस्था को महिलाओं के फ़र्जी - मुकदमों से बचाने की प्रार्थना की गयी
- महिलाओं के फ़र्जी मुकदमों से जीवित बच सके कार्यकर्ताओं ने **वैवाहिक सम्बन्धों का किया पिण्डदान**
- काशी प्रवास के दौरान मणीकर्णिका घाट पर करेंगे विवाह का अन्तिम संस्कार
- पुरुष अधिकार कर्ताओं के बीच आयोजित हुई प्रतिभा - खोज प्रतियोगिता
- विजेताओं को पुरुस्कार एवं प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया
- अगला राष्ट्रीय अधिवेशन व्यापक एवं वृहद स्तर पर आयोजित करने के संकल्प के साथ समापन.

पुरुष अधिकार कार्यकर्ता नीलकंठ के समान है जो समाज का जहर पीकर, आने वाले समय में पुरुषों के लिए बेहतर समाज के निर्माण के लिए कार्यरत है | सेव इंडियन फैमिली द्वारा पुरुष अधिकारों पर आयोजित दसवें राष्ट्रीय अधिवेशन के दौरान बोलते हुए आयोजन सचिव अनुपम दुबे ने बताया की जिस प्रकार भगवान शिव ने समुद्र मंथन से निकला हुआ जहर पीकर दुनिया को उसके दुष्प्रभाव से बचाया था और स्वयं नीलकंठ कहलाए उसी प्रकार पुरुष अधिकार कार्यकर्ता भी आज समाज का जहर पीकर, स्वयं को भस्म करके आने वाले समय को पुरुषों के लिए एक बेहतर समाज बनाने के लिए कार्य करते हैं |

अधिवेशन के दूसरे दिन पुरुष अधिकार कार्यकर्ताओं ने एक 'पिशाचिनी मुक्ति पूजा' का आयोजन किया | इस पूजा के माध्यम से ईश्वर से प्रार्थना की गई कि पुरुषों को कुटिल स्त्रियों के द्वारा दाखिल किए गए फर्जी मुकदमों से बचाया जा सके | साथ ही यह प्रार्थना भी

की गई कि सरकार और न्याय व्यवस्था इन पिशाचिनीयों के प्रभाव से बाहर आ सके जिससे कि इन लोगों की बुद्धि पर पड़ा हुआ पर्दा हटे और उनको पुरुषों का दु:ख-दर्द भी दिखाई पड़े । गौरतलब है कि बनारस में पिशाच मोचन मंदिर है परंतु कोई पिशाचीनी मोचन मंदिर नहीं है।

जो पुरुष अधिकार कार्यकर्ता अपनी जिंदगी में इन पिशाचिनी स्वरुप स्त्रियों के फर्जी मुकदमों से अपने आप को बचा पाये थे, उन्होंने काशी के प्रवास के दौरान अपने वैवाहिक जीवन का पिंडदान भी आयोजित किया । साथ ही इस बात का प्रण किया कि मणिकर्णिका घाट पर अपने वैवाहिक जीवन का अंतिम संस्कार भी करके जाएंगे |

भविष्य के पुरुष अधिकार कार्यकर्ताओं को तैयार करने के लिए एक प्रतिभा-खोज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कि देश भर से आए हुए कार्यकर्ताओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया । चुनिंदा कार्यकर्ताओं को सेव इंडियन फैमिली के उद्देश्यों और कार्यों से परिचित करा कर आंदोलन की दिशा में उनको विकसित किया जाएगा । कार्यक्रम के समापन के दौरान विजेताओं को पुरुस्कार वितरण एवं प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया । सभी कार्यकर्ता अगले राष्ट्रीय अधिवेशन को और वृहद स्तर पर आयोजित करने के संकल्प के साथ विदा हुए ।

सादर सहित,

स्थान : वाराणसी
दिनांक : 12, अगस्त 2018

अनुपम दुबे
आयोजन सचिव